www.evidyarthi.in

फिर से सलाह दें

प्रश्न 1. वास्तुकला का 'अनुप्रस्थ टोडा निर्माण' सिद्धांत 'चापाकार' सिद्धांत से किस तरह भिन्न है?

उत्तर-

- वास्तुकला के ट्रैबीट सिद्धांत में दो ऊर्ध्वाधर स्तंभों में एक क्षैतिज बीम रखकर छतों, दरवाजों और खिड़कियों का निर्माण किया गया था।
- वास्तुकला के चापलूस सिद्धांत में दरवाजों और खिड़कियों के ऊपर अधिरचना का भार मेहराबों द्वारा ढोया जाता था।

कक्षा VII पाठ 5 शासक और इमारतें (NCERT)

www.evidyarthi.in

धनुषाकार

ट्रैबीट या कॉर्बेलेड

कक्षा VII पाठ 5 शासक और इमारतें (NCERT)

www.evidyarthi.in

प्रश्न 2. 'शिखर' से आपका क्या तात्पर्य है?

उत्तर- शिखर किसी मंदिर का सबसे नुकीला हिस्सा होता है।

www.evidyarthi.in

नागर शैली की वास्तुकला

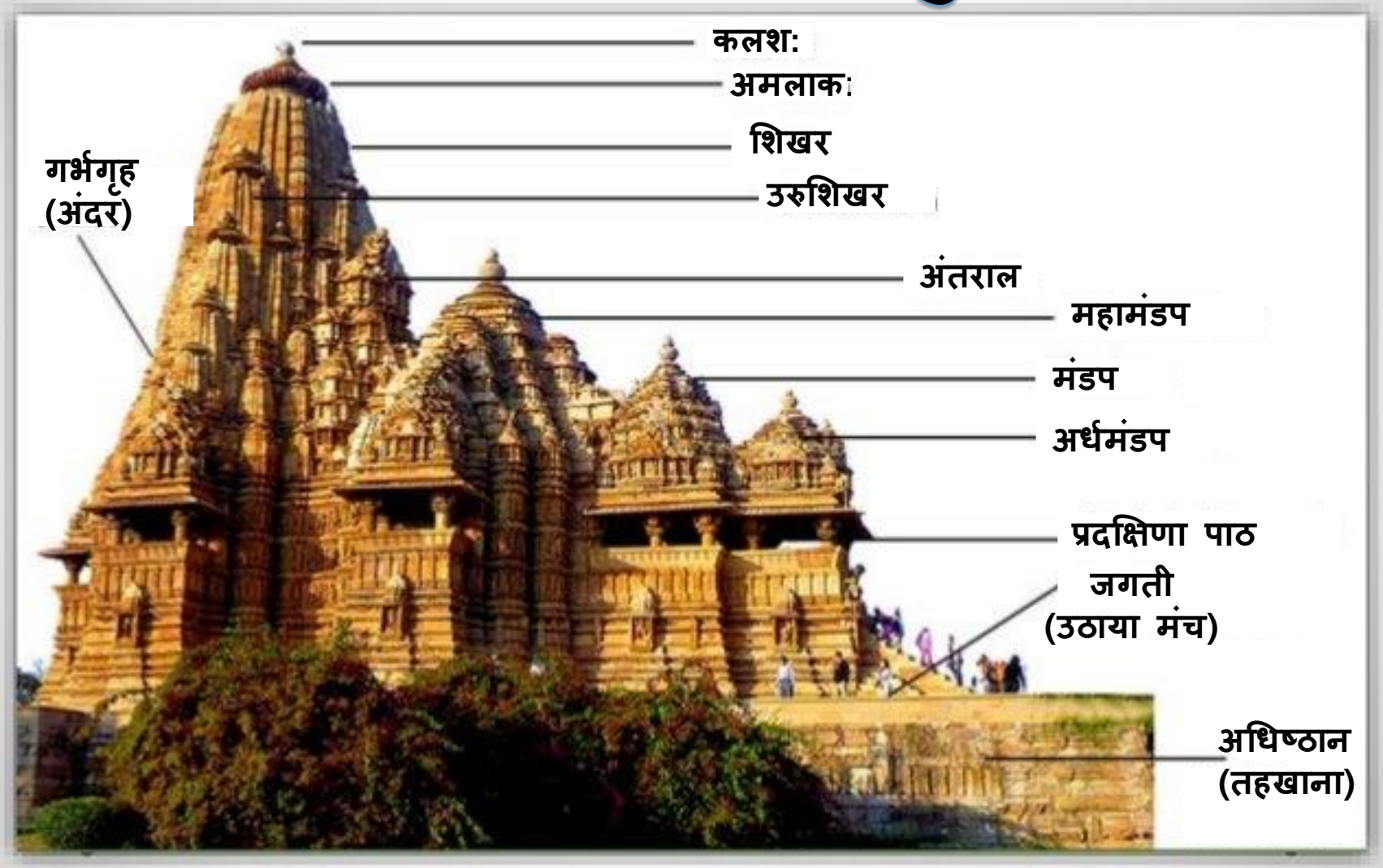

मंदिर का शिखर

www.evidyarthi.in

प्रश्न 3. 'पितरा-दूरा' क्या है?

उत्तर- पितरा-दूरा संगमरमर या बलुआ पत्थर में उकेरे गए गड्ढों में रखे रंगीन, कठोर पत्थरों को संदर्भित करता है जो सुंदर अलंकृत पैटर्न बनाते हैं।

कक्षा VII पाठ 5 शासक और इमारतें (NCERT)

www.evidyarthi.in

पितरा-दूरा

www.evidyarthi.in

प्रश्न 4. एक मुगल चारबाग की क्या खास विशेषताएँ हैं?

उत्तर- मुगल चाहर बाग में चार बगीचे हैं। इन उद्यानों को आयताकार दीवारों वाले बाड़ों के भीतर रखा गया है और कृत्रिम चैनलों द्वारा चार क्वार्टरों में विभाजित किया गया है।

कक्षा VII पाठ 5 शासक और इमारतें (NCERT)

www.evidyarthi.in

मुगल चाहर बाग बगीचा

www.evidyarthi.in

प्रश्न 5. किसी मंदिर से एक राजा की महत्ता की सूचना कैसे मिलती थी?

उत्तर- राजाओं ने आमतौर पर भगवान के प्रति अपनी भक्ति और अपनी शक्ति और धन को प्रदर्शित करने के लिए मंदिरों का निर्माण किया। यहां हम राजराजेश्वर मंदिर का उल्लेख कर सकते हैं जिसे राजा राजराजदेव ने अपने देवता राजराजेश्वरम की पूजा के लिए बनवाया था।

कक्षा VII पाठ 5 शासक और इमारतें (NCERT)

www.evidyarthi.in

यह ध्यान देने योग्य है कि शासक और देवता के नाम बहुत समान हैं। राजा ने भगवान का नाम इसलिए लिया क्योंकि यह शुभ था और वह भगवान की तरह दिखना चाहता था। मंदिरों में पूजा के अनुष्ठानों के माध्यम से एक भगवान। राजराजदेव ने एक और यानी राजराजेश्वरम को सम्मानित किया।

कक्षा VII पाठ 5 शासक और इमारतें (NCERT)

www.evidyarthi.in

राजाओं ने आमतौर पर सबसे बड़े मंदिरों का निर्माण किया। मंदिर में अन्य, कम देवता शासक के सहयोगियों और अधीनस्थों के देवी-देवता थे। मंदिर राजा और उसके सहयोगियों द्वारा शासित दुनिया का एक लघु मॉडल था। जब वे शाही मंदिरों में अपने देवताओं की एक साथ पूजा करते थे, तो ऐसा लगता था जैसे वे पृथ्वी पर देवताओं के न्यायपूर्ण शासन को लेकर आए हों।

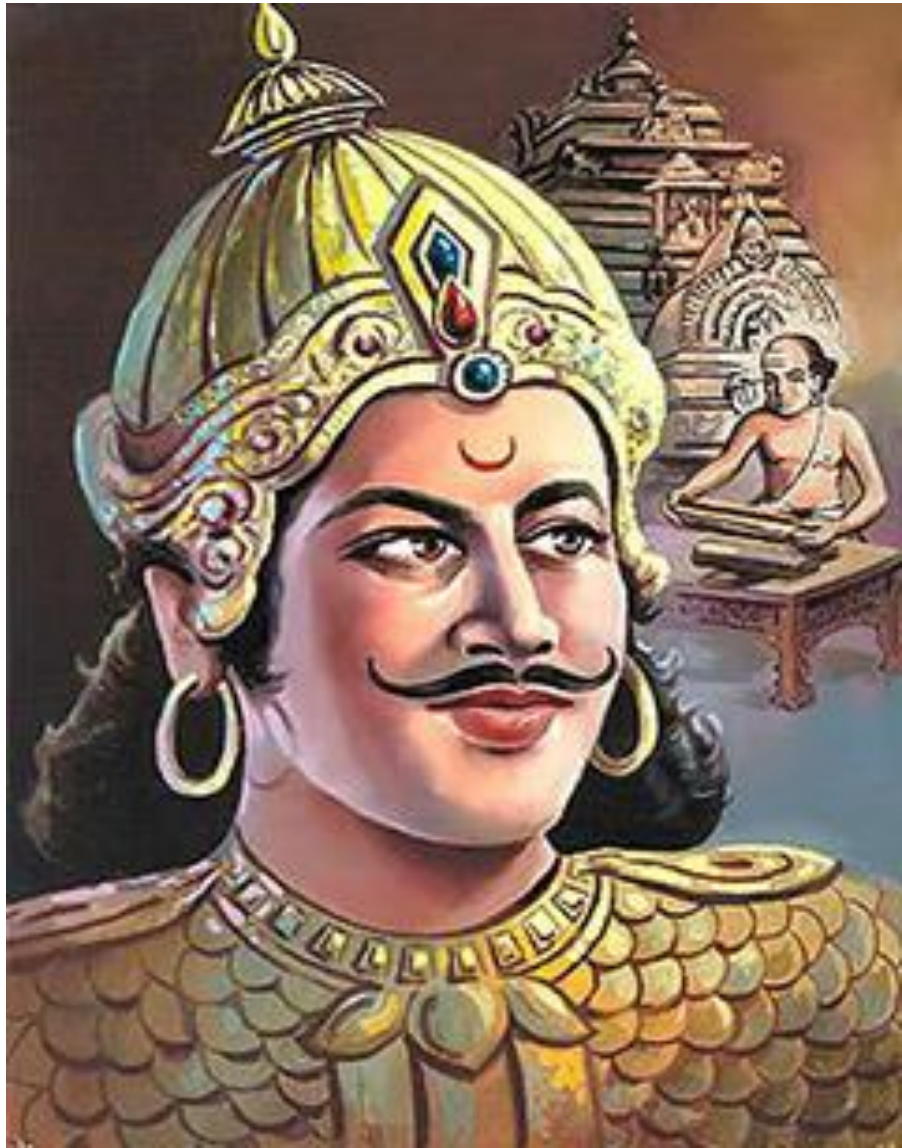

www.evidyarthi.in

प्रश्न 6. दिल्ली में शाहजहाँ के दीवान-ए-खास में एक अभिलेख में कहा गया है-'अगर पृथ्वी पर कहीं स्वर्ग है तो वह यहीं है, यहीं है, यहीं है।' यह धारणा कैसे बनी?

उत्तर- शाहजहाँ के दीवान-ए-खास को इस तरह से डिजाइन किया गया था कि यह एक भव्य सामंजस्यपूर्ण संश्लेषण में एक साथ जुड़ गया। इसकी सावधानीपूर्वक योजना बनाई गई थी। इसे एक बड़े प्रांगण में रखा गया था।

कक्षा VII पाठ 5 शासक और इमारतें (NCERT)

www.evidyarthi.in

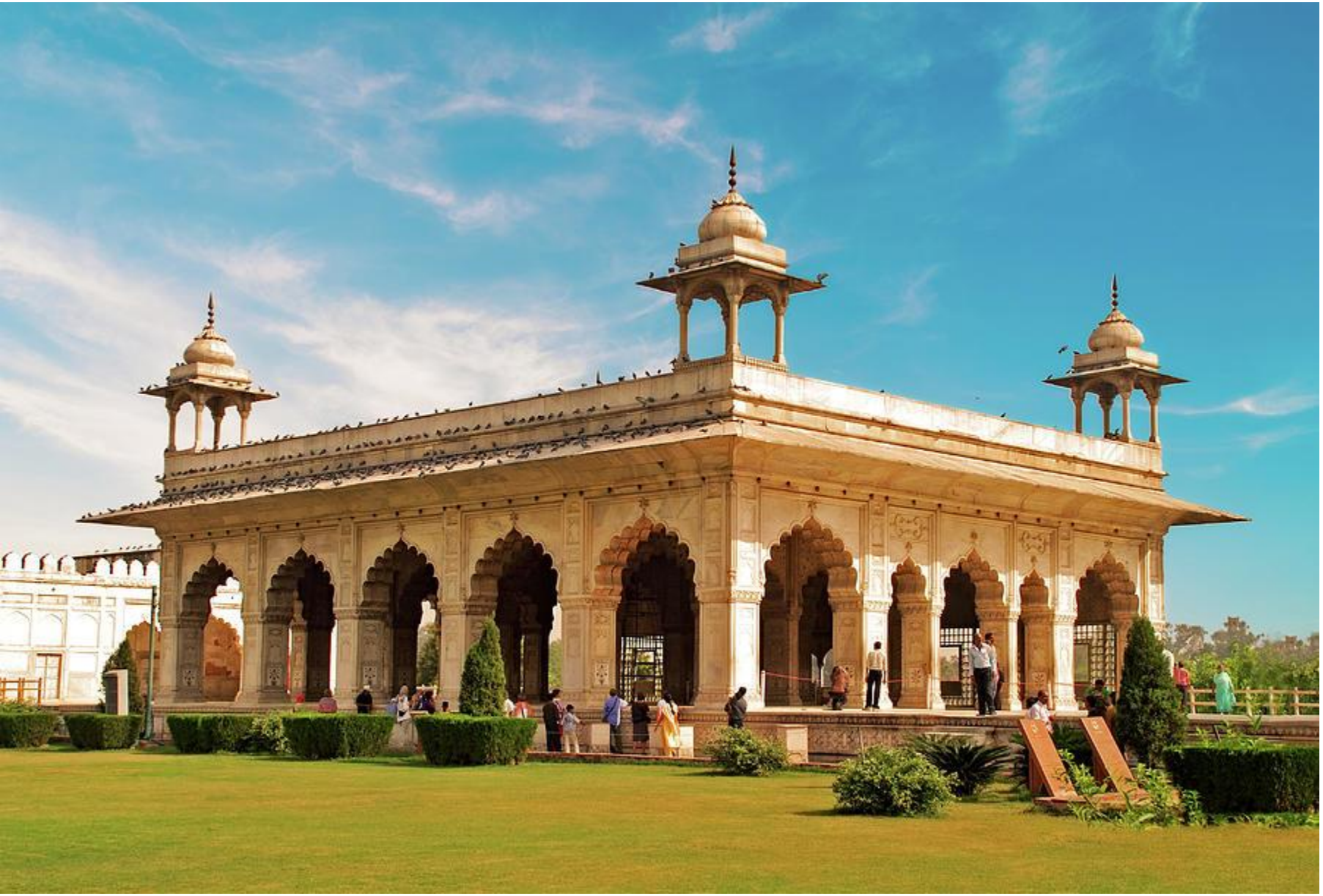

दिल्ली में
दीवान-ए-खास

कक्षा VII पाठ 5 शासक और इमारतें (NCERT)

www.evidyarthi.in

सम्राट के सिंहासन के पीछे पिएत्रा-ड्यूरा इनले की एक श्रृंखला थी। इसमें पौराणिक देवता ऑर्फियस को ल्यूट बजाते हुए दर्शाया गया है। दीवान-ए-खास का उद्देश्य यह बताना था कि राजा का न्याय उच्च और निम्न के साथ समान व्यवहार करेगा, एक ऐसी दुनिया का निर्माण करेगा जहाँ सभी एक साथ रह सकें। दीवान-ए-खास अपने आप में एक स्वर्ग की छवि को दर्शाता है।

www.evidyarthi.in

प्रश्न 7. मुगल दरबार से इस बात को कैसे संकेत मिलता था कि बादशाह से धनी, निर्धन, शक्तिशाली, कमज़ोर सभी को समान न्याय मिलेगा?

उत्तर- मुगल दरबार के दीवान-ए-आम ने सुझाव दिया कि सभी के लिए समान तरीके से न्याय किया जाए। शाहजहाँ के दर्शकों के हॉल का निर्माण यह बताने के लिए किया गया था कि राजा का न्याय उच्च और निम्न के लिए समान था।

कक्षा VII पाठ 5 शासक और इमारतें (NCERT)

www.evidyarthi.in

इसका उद्देश्य एक ऐसी दुनिया का निर्माण करना था जहां सभी एक साथ सद्भाव से रह सकें। सम्राट के दरबार में अमीर और गरीब के बीच कोई अंतर नहीं था।

www.evidyarthi.in

प्रश्न 8. शाहजहाँनाबाद में नए मुगल शहर की योजना में यमुना नदी की क्या भूमिका थी?

उत्तर- शाहजहानाबाद में नए मुगल शहर के लेआउट में यमुना नदी की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका थी। शाहजहाँ ने ताजमहल के लेआउट में रिवर-फ्रंट गार्डन को प्राथमिकता दी। उन्होंने नदी तक रईसों की पहुंच को नियंत्रित करने के साधन के रूप में उसी वास्तुशिल्प रूप को विकसित किया।

कक्षा VII पाठ 5 शासक और इमारतें (NCERT)

www.evidyarthi.in

www.evidyarthi.in

इसका उद्देश्य एक ऐसी दुनिया का निर्माण करना था जहां सभी एक साथ सद्भाव से रह सकें। सम्राट के दरबार में अमीर और गरीब के बीच कोई अंतर नहीं था। शाहजहानाबाद के नए शहर में शाही महल ने भी नदी के सामने की कमान संभाली। केवल सबसे पसंदीदा रईसों को ही नदी तक जाने की अनुमति दी गई थी। इनके अलावा यमुना नदी से दूर शहर में अपना घर बनाना था। इसने शहर के लेआउट का विस्तार किया।